महामेधा
सत्य, सत्य ही होता है
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
नई दिल्ली, शनिवार 20 फरवरी, 2010

पैकेजिंग पेपर के दाम बढ़ने के विरोध में व्यापारी करेंगे प्रदर्शन

नई दिल्ली (संवाददाता)। संयुक्त कार्यकारी समिति ने उत्तर भारत की क्राफ्ट पेपर मिल्स द्वारा एक माह के भीतर तीन से लेकर चार हजार प्रति टन तक की पैकेजिंग पेपर में बढ़ोतरी करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। समिति देशभर के पैकेजिंग पेपर उद्योगों के साथ मिलकर आगामी दिनों में इसके खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन भी करेगी। यह घोषणा शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में संयुक्त कार्यकारी समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से की। समिति के संयोजक हरीश मदान ने कहा कि पेपर, पैकेजिंग उद्योग का मुख्य रॉ मैटिरियल है जिसके रेट बढ़ने से पैकेजिंग उद्योग बंद होने के कगार पर आ गया है। श्री मदान ने कहा कि इस मुश्किल भरे समय में पैकेजिंग उद्योग को चलाना असंभव हो गया है, हमारी कोरोगेटिड पैकेजिंग उद्योग बड़ी पेपर मिल्स व बड़े उपभोक्ताओं के बीच में सैंडविच बन कर रह गई है। समिति के सदस्य सुशील सूद ने कहा कि पैकेजिंग उद्योग में उपयोग किए जाने वाले कागज के निर्माता बेवजह कागज की कीमतें बढ़ा देते हैं। पंकज अग्रवाल ने कहा कि यह प्रक्रिया मिल मालिकों द्वारा पिछले चार साल से लगातार इन्हीं दिनों में अपनाई जा रही है।